भूमिका

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय महाराष्ट्र के विद्यार्थी क्षेत्र में स्थित हैं | विद्यार्थी का यह क्षेत्र जनसेवाय की दृष्टिकोण से अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग (नाना क्रीमीलेवर) और अल्पसंख्यक वर्ग बहुत हैं | विद्यार्थी का यह क्षेत्र राष्ट्रिय महात्मा गांधी की कर्म स्थली होने के साथ साथ सामाजिक न्याय के पुरोहित संविधान निर्माता डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर की आंदोलन भूमि भी हैं | किसान आत्महत्याों से जुड़े विद्यार्थी के अधिकांश विद्यार्थी इसी वंचित समूह से अपना संबंध रखते हैं ऐसे में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्षी में समान अवसर प्रकोष्ठ की भूमिका विस्तार प्रकार से वंचित रहे विद्यार्थीों /शोधार्थीों के भविष्य के प्रति महत्वपूर्ण होगी | समान अवसर प्रकोष्ठ का प्रमुख लक्ष्य इन वंचित समूहों से आनेवाले विद्यार्थीों /शोधार्थीों को समाज की मृदुत्वपूर्ण में शामिल होने के समस्त शैक्षिक, अकादमिक अवसर पाने के लिए सक्षम बनाने में आधारित करता है | भारत के अन्य राज्यों के किसानों से विद्यार्थी के किसानों की दशा अपेक्षाकृत रूप से कम विकसित हैं | वीते एक दशक में महाराष्ट्र में 2 लाख किसान आत्महत्याों के प्रकरण सामने आए हैं जिसमें विद्यार्थी के 11 जिलों के 70% प्रकरण शामिल हैं | महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्षी का क्षेत्र विद्यार्थी के नामीण बहुल परिवेश से जुड़ा हुआ हैं | ऐसे नामीण परिवेश में देशभर के वंचित वर्गों के विद्यार्थीों एवं शोधार्थीों के व्यक्तिगत निर्माण के साथ साथ उन्में कौशल विकास को विकसित करने में यह समान अवसर प्रकोष्ठ अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा |

उद्देश्य

- व्यक्तिगत विकास कार्यक्रमों द्वारा उनमें प्रदर्शन के विविध उपक्रमों के लिए प्रशिक्षित करना |
- वंचित समूह से आनेवाले विद्यार्थीों /शोधार्थीों को मुख्यपारा में शामिल करने के समस्त शैक्षिक समान अवसर प्रदान करना |
- रोजगार में संधान के विविध अवसरों के प्राप्त हेतु अनुसूचित जाति /अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग (नाना क्रीमीलेवर) एवं अल्पसंख्यक वर्गों के विद्यार्थीों और शोधार्थीों को प्रतियोगिता के समस्त अनुसंधानों द्वारा समस्त बनाना |
- शारीरिक विकलांग विद्यार्थीों /शोधार्थीों में सार्वजनिक सहभागिता हेतु आत्मविश्वास कार्य करना |
- किसान आत्महत्या पूजारू से आनेवाले विद्यार्थीों /शोधार्थीों में मानसिक दंडना का निर्माण करना और उन्में भी समान अवसर प्राप्त करने की समस्त गतिविधियों में शामिल करना |
- कौशल विकास आधारित अनुपकालिक कार्यक्रमों व कार्यक्षेत्रों द्वारा वंचित विद्यार्थीों /शोधार्थीों को प्रशिक्षित करना |
- अच्छत्व अन्वयन के सहजीकरण द्वारा उनमें विवेचन आधारित अवघारणों की समझ विकसित करना ताकि उनमें संबंधित जानकारी का सर्वगैरिक विकास हो सके |
गतिविधियाँ

1. प्रकोष संचालन के लिए विशेषविधालय द्वारा निम्नानुसार सलाहकार समिति के गठन का प्रस्ताव यह समिति वर्ष में कम से कम दो बार बैठक का आयोजन कर प्रकोष के कार्य का जायजा लेगी और अपने सुझाव प्रस्तुत करेगी।

2. प्रकोष का संपर्क ईमेल, संपर्क दूरभाष कर्मांक एवं विशेषविधालय की वेबसाइट पर एथान प्रदान किए जाने संबंधी प्रस्ताव।

3. प्रकोष के अंतर्गत मनोविज्ञान से संबंधित विषय विशेषज्ञ द्वारा काउंसेलिंग कार्यक्रम का प्रस्ताव।

4. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अत्यंत संवृद्ध वर्ग के दिवारियों हेतु व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम पर कार्यशालाय अथवा व्यावस्था श्रृंखला का आयोजन का प्रस्ताव।

5. शारीरिक विकास कार्यक्रमों के लिए विशेषविधालय परिसर के भवनों के कक्षों एवं अन्य प्रसाधनों तक पहुंच की सुनिश्चित करने का प्रस्ताव।

6. अनुसूचित जाति /अनुसूचित जनजाति और अत्यंत संवृद्ध विद्यार्थियों के साथ होनेवाले किसी भी प्रकार के भेदभाव पर सकारात्मक कार्यवाह का प्रस्ताव।
7. कंप्यूटर और डिजिटल माध्यमों से संबंधित रोजगारपरक अन्तर्क्षणीय पाठ्यक्रम/कार्यक्रमों का आयोजन करने का प्रस्ताव |

8. राष्ट्रीय महापुर्णों और जैविक परिदृश्य के विविध सामाजिक, दार्शनिक चित्र की व्याख्यानमालाओं के आयोजन का प्रस्ताव |

9. विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित की जानेवाली सामूहिक सांस्कृतिक एवं अकादémिक गतिविधियों में संबंधित बंचिि वर्गों के विवाििरीयों और शोधािथ|यों को समान अवसर प्रकोष्ठ प्रोत्साहित करेगा |

10. संबंधित बंचिि वर्गों के विवाििरीयों/शोधािथ|यों हेतु आयोजित की जानेवाली गतिविधियों में सामान्य वर्ग के विवाििरीयों/शोधािथ|यों को सहभागी किए जाने का प्रस्ताव |

11. संवैधानिक नियमानुसार अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति एवं अन्य विभेद के तहतस्ता के समस्त स्तरों पर आरक्षण व्यवस्था का तत्परता से पालन किया जा रहा है |

12. समान अवसर प्रदान करने के क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा वर्तमान शैक्षिक वर्ग से सोची रेखा के लीए अलिे छात्रों के छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है |

13. उपरोक्त गतिविधियों के सूचारू संचालन हेतु विश्वविद्यालय द्वारा समान अवसर प्रकोष्ठ को एक स्वतंत्र कक्षा आवंटित किए जाने का प्रस्ताव |

(संदीप मधुकर सपकाले)

परामर्शदाता, समान अवसर प्रकोष्ठ सहायक प्रोफेसर, दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

संलग्न परिचय- विश्वविद्यालय परिचय
प्रियात्म का अन्तरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

महात्मा गांधी के सपनों के भारत में एक सपना राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी को प्रतिष्ठित करने का भी था | उन्होंने कहा था कि राष्ट्रभाषा के बिना कोई भी राष्ट्र गूँगा हो जाता है | नागपुर में आयोजित प्रथम विषय हिंदी सम्मेलन (10-14 जनवरी, 1975) में यह प्रस्ताव पारित किया गया था कि संयुक्त राष्ट्रसंघ में हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप में स्थान दिया जाए तथा एक अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की स्थापना की जाय जिसका मुख्यालय वर्षा में हो।

चतुर्थ विषय हिंदी सम्मेलन (दिसंबर-1993) के बाद विषय हिंदी सचिवालय की स्थापना मंगोलिया में हुई और भारत में एक अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की स्थापना को मूल्य देने की आवश्यकता समझी गयी | वर्ष 1997 में भारत की संसद द्वारा अपनिनियम 03 के अंतर्गत महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष में की गयी।

इस विश्वविद्यालय को उच्च शिक्षा के एक अंतरराष्ट्रीय संघ के रूप में विकसित किया जा रहा है | हिंदी भाषा में भारतीय मूल्यों व परंपराओं के संरक्षण के साथ-साथ आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करते तथा इसे इसी रूप में दृष्टिगत के साथ स्थापित करने का अभियान विश्वविद्यालय द्वारा चलाया जा रहा है | विश्वविद्यालय की कार्य-संस्कृति, प्रशासन व कार्य-व्यवहार में गांधी जी के विचार मूर्धन आदर्श का कार्य करते हैं | हिंदी को विषयभंडार पर प्रतिष्ठित किए जाने हेतु यह आवश्यक है कि हिंदी का विषय की अन्य भाषाओं के साथ बेहतर संबंध हो | इसके बाद एक संक्षिप्त, बहुआयामी एवं व्यापक आदान-प्रदान हो | विषय भाषाओं के छात्र, शोधार्थी, अनुसंधानकर्ता, अनुसंधानकर्ता एक-दूसरे के बीच जाकर अध्ययन-अध्ययन व अनुसंधान करे | इससे विषय की अन्य भाषाओं से हिंदी का संपर्क समृद्ध होगा एवं जाने के नये सितिस्थितियों उद्देश्य होगे | जान-जान की एक संवाहक भाषा के रूप में हिंदी इस आदान-प्रदान का केंद्र-भित्र बने, विश्वविद्यालय इस महत्वाकांक्षी योजना की सफलता हेतु केन्द्रित है | विश्वविद्यालय में आठ अलग-अलग संकाय हैं -

1. भाषा विभाग
2. साहित्य विभाग
3. संस्कृति विभाग
4. अनुवाद तथा निर्याचन विभाग
5. मानवीय एवं सामाजिक विज्ञान विभाग
6. सूचना विभाग
7. प्रबंध वियापीठ

8. शिक्षा वियापीठ

इसके साथ ही विश्वविद्यालय का दूर शिक्षा निदेशालय शिक्षार्थियों के द्वारा तक शिक्षा पहुँचाने के एक अलग प्रकल्प के रूप में क्रियाशील है।

उद्देश्य:

क्षेत्रीय, राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में हिंदी का सम्पूर्ण विकास।

हिंदी को वैचिक भाषा के रूप में मान्यता दिलाने का सुसंगत प्रयास।

महात्मा गांधी के मानवतावादी मूल्यों; यथा - शांति, अहिंसा, सत्य, धर्मनिरपेक्षता, आदि का उन्नयन, स्थापन एवं प्रसार।

हिंदी को जनसंचार, व्यापार, प्रबंधन, विज्ञान एवं तकनीकी शिक्षा, तथा प्रशासनिक कामकाज की भाषा के रूप में दक्ष बनाना ताकि इसे रोजगार से जोड़ा जा सके।

हिंदी के भाष्यम से अंतर-अनुशासन ज्ञान-प्रणाली को बढ़ावा देना।

एक अंतरराष्ट्रीय शोध केंद्र के रूप में विश्वविद्यालय का विकास।

अंतरराष्ट्रीय विमर्श के एक केंद्र के रूप में विश्वविद्यालय का विकास।

हृदि:

राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय भाषाओं के मध्य व्यापक एवं बहुल संपर्क से समन्वय पर जोर।

भारतीय एवं वैचिक भाषाओं के अन्तर-सम्पर्क से समन्वय की संस्कृति का पहलवान एवं विकास।

हिंदी को भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों एवं संदेशों की संवाहक भाषा के रूप में प्रतिष्ठा।

ज्ञान, शांति एवं मैत्री की परिलक्षण को मूर्त रूप देने का गंभीर प्रयास।